महत्वपूर्ण एवं खास

32 हाथियों के दल से ग्रामीण परेशान, घरों को पहुंचाया नुकसान

जशपुर (आरएनएस)। जिले के बगीचा वन परिक्षेत्र के ग्राम झिक्की में 32 हाथियों के दल ने गांव में उत्पात मचा रखा है। हाथियों के दल ने एक ग्रामीण का घर तोड़कर अंदर रखे अनाज को भी खा लिया है। वहीं फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वन अमले को हाथियों के आने की सूचना दी गई है, लेकिन वह नदारद है। ग्रामीणों का कहना है कि नाका को हमने हाथी होने की सूचना दी है, लेकिन नाका गांव के अंदर ही नहीं आते। बाहर से ही रोड किनारे बसे ग्रामीणों को समझाइश देकर चले जाते हैं। घटना की सूचना देने के दो दिन बाद भी वन अमला अभी तक नहीं पहुंचा है और ना ही हाथियों से बचने का उपाय बता रहे है। हालत यह है कि गांव वाले खुद अपनी जानमाल की रक्षा कर रहे हैं और हाथियों से बचने खुद से मशाल और फटाके का उपयोग कर रहे हैं।

कटघोरा विधायक मिले कोरोना पॉजीटिव, एम्स में इलाज जारी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा से विधायक पुरुषोत्तम कंवर कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। सोमवार को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उनका इलाज रायपुर के एम्स अस्पताल में किया जा रहा है। पुरुषोत्तम कंवर हफ्तेभर पहले ही रायगढ़ जिले के खरसिया में आयोजित मुख्यमंत्री भूपेश के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। जिसके बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ी थी। जानकारी के अनुसार 8 नवंबर को खरसिया में आयोजित कार्यक्रम से लौटने के बाद पुरुषोत्तम कंवर को सर्दी, जुखाम और बुखार की शिकायत हुई थी। इस पर उनका इलाज कोरबा के ही एक निजी अस्पताल में चल रहा था। अस्पताल ने उन्हें रायपुर एम्स में इलाज कराने का सुझाव दिया था। अब कोविड टेस्ट में उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डॉक्टरों ने बताया है कि पुरुषोत्तम कंवर के स्वास्थ्य में पहले से सुधार है।

चोरी की 7 दोपहिया वाहनो के साथ 2 गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दोपहिया वाहनों की चोरी करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने उनके पास से चोरी की 7 वाहनें बरामद किया है। आरोपी नशे की लत एवं अन्य महंगे शौक पूरा करने के लिए वाहनों की चोरी करते थे। पुलिस ने आज इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में गुलशन पिता भुनेश्वर वर्मा 22 साल निवासी रामनगर गली नंबर 02 थाना गुढ़ियारी रायपुर और दिनेश पिता उदन साहू 36 निवासी चंगोराभाठा अमन किराना दुकान थाना डी.डी. नगर रायपुर से पुलिस ने 7 नग दोपहिया वाहन बामद किया है जिसकी कुलकीमत लगभग 03 लाख रूपये बतायी जा रही है। बताया गया कि आरोपियों द्वारा मास्टर चाबी का प्रयोग कर करते थे और वाहनों की चोरी बड़े ही शातिर व प्रोफेशनल तरीके करते थे।

धान खरीदी की सारी तैयारी कर लें पूरी-कलेक्टर

धान उपार्जन के संबंध में कलेक्टर भीम सिंह ने ली समितियों की बैठक

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह ने नगर निगम ऑडिटोरियम में धान खरीदी केन्द्रों की व्यवस्था एवं नियमों के संबध में जिले के सहकारी समिति प्रबंधकों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर सिंह ने समितियों को दिशा-निर्देश दिए की उर्पाजन केन्द्रों में खरीदी के लिए बेहतर व्यवस्था की जाए। धान खरीदी शासन का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, अतः खरीदी से जुड़ी सारी तैयारियां पूरी रखें। जिससे किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की समस्या न हो।

कलेक्टर सिंह ने बैठक में धान केन्द्रों की मूलभूत समस्याओं से सहकारी समितियों को अवगत कराने को कहा। ताकि उन समस्याओं का निराकरण कर खरीदी की व्यवस्था को और भी बेहतर बनाया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने खरीदी केन्द्रों के समतलीकरण के संबंध में समितियों से जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन उपार्जन केन्द्रों का समतलीकरण नहीं किया गया है, उन्हे जल्द समतलीकरण किया जाए। कलेक्टर सिंह ने समितियों को निर्देश दिए कि खरीदी केन्द्रों में पानी तथा टायलेट की व्यवस्था हो ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही बारदानों के संबध में कलेक्टर सिंह ने कहा कि बारदानों का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए साथ ही किसान बारदाने का उपयोग धान खरीदी के शुरुवात से ही 20 से 30 प्रतिशत किया जाना है। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि खराब

बारदानों को पहले ही रिजेक्ट कर दिया जाए। जिससे अनाज को खराब होने से बचाया जा सके। कलेक्टर सिंह ने कहा खरीदी के साथ ही मौसम के फेरबदल को देखते हुए धान की सुरक्षा के लिए कैप कवर (तिरपाल) की व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर सिंह ने कहा कि समितियां धान खरीदी के साथ ही एंट्री के लिए इंटरनेट, कम्प्यूटर जैसी मूलभूत व्यवस्था तैयार रखें। उन्होंने निर्देश दिया कि धान खरीदी केन्द्रों में नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही राजस्व अधिकारी खरीदी केन्द्रों नियमित निरीक्षण करें। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर भुगतान किया जाए। कलेक्टर सिंह ने कहा कि धान की अधिक कीमत मिलने के कारण सीमावर्ती क्षेत्र में दूसरे राज्यों से भी धान के आवक की संभावना रहती है। इसे रोकने के लिए चेक पोस्ट बनायी जा रही है। इसके अलावा बार्डर वाली सोसाइटियों पर विशेष निगरानी भी रखा जाए एवं ध्यान रखा जाए कि उपार्जन केन्द्रों में अवैध बिक्री न हो। गिरदावरी के हिसाब से ही खरीदी की जाए। उन्होंने नई सोसाईटी में खरीदी के संबंध में डेली रिपोर्टिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लॉ एण्ड आर्डर की समस्या होने पर तत्काल एसडीएम को जानकारी दे। सहकारिता, अपैक्स बैंक और जिला विपणन कार्यालय को समितियों में उनसे संबंधित किसी भी समस्या होने पर उसका निराकरण तत्काल करने के निर्देश दिए।

एनटीपीसी के निदेशक प्रचालन का कोरबा दौरा

कोरबा। रमेश बाबू वीए निदेशक प्रचालन ने स्टेशन प्रदर्शन समीक्षा के लिए एनटीपीसी कोरबा का दौरा किया। बाबू ने प्लांट परिसर के क्षेत्रों का दौरा किया जिसके बाद उन्होंने एनटीपीसी के सुरक्षा शुभंकर श्कवचश् का उद्घाटन किया।

श्री रमेश बाबू के साथ दौरे में अनिल कुमार पांडे आरईडी पश्चिमी क्षेत्र और यूएसएससी, अश्विनी कुमार त्रिपाठी ईडी.ओएस, सी. शिवकुमार ईडी.एसएसईए, बिश्वरूप बसु कार्यकारी निदेशक.एनटीपीसी कोरबा और जॉन मथाई जीएम एचआर पश्चिमी क्षेत्र मुख्यालय शामिल हुए।

श्री बीके मिश्रा जीएम मेडिकल एनटीपीसी कोरबा के नेतृत्व में अस्पताल परिसर में कृत्रिम अंग वितरण किया गया। यात्रा का समापन सभी सम्मानित अतिथियों द्वारा और एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में वृक्षारोपण समारोह के साथ हुआ।

पीएचसी रामभांठा में ब्लड डोनेशन कैम्प आज

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह के निर्देशानुसार एवं सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी के मार्गदर्शन में 16 नवंबर 2021 को प्रातः 10 बजे से शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामभांठा में ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित किया गया है। ब्लड डोनेशन हम सभी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है जिसे हर स्वास्थ्य व्यक्ति को किया जाना चाहिए। ब्लड डोनेट करने से न सिर्फ किसी की जान बचाई जा सकती है, बल्कि ये हमारी खुद की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। रक्तदान से शरीर और मन दोनों पर बहुत अच्छा प्रभाव डालता है।

रक्तदान करना दिल की सेहत को सुधार सकता है और दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम करता है। माना जाता है कि खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है, जो दिल की सेहत के लिए अच्छा होता है। रक्तदान के बाद आपका शरीर खून को पूरा करने के काम में लग जाता है। इससे शरीर की कोशिकाएं ज्यादा लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण के लिए प्रेरित होती हैं, जो आपकी सेहत को सुधार सकता है और शरीर को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है। रक्तदान कैलोरी जलाने और वजन को कम करने में मदद कर सकता है। लाल रक्त कोशिकाओं का स्तर अगले कुछ महीने में बराबर हो जाता है। इस बीच स्वस्थ डायट और नियमित व्यायाम से वजन नियंत्रण में मदद मिलती है। हालांकि, रक्तदान को वजन कम करने का तरीका नहीं कहा जा सकता है। यह केवल बेहतर स्वास्थ्य का माध्यम है, वजन कम करने के प्लान का हिस्सा नहीं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलेवासियों को आग्रह किया है कि अधिक से अधिक लोग ब्लड डोनेशन कैम्प में पहुंच कर जरूरतमंद की जान बचाने में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती घेरा, 19 नवंबर तक हल्की मध्यम बारिश की संभावना

» बारिश से फसल क्षति पर नजर रखने कलेक्टर श्रीमती साहू ने भी दिए निर्देश

कोरबा। भारत मौसम विभाग, रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा उत्तर अंदरूनी तमिलनाडु और उसके आसपास स्थित है तथा यह 3.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका उत्तर अंदरूनी तमिलनाडु से गंगेटिक पश्चिम बंगाल तक आंध्र प्रदेश और उड़ीसा होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। जिसके प्रभाव से 14 नवंबर को जिले के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में अधिकतम तापमान में गिरावट तथा न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इसके साथ ही एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा थाईलैंड और उसके आसपास दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर स्थित है, इसके प्रभाव से एक निम्न दाब का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रबल होकर और अवदाब के रूप में उत्तरी अंडमान सागर और उससे लगे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर 15 नवंबर को पहुंचने की संभावना है। उसके बाद यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और प्रबल होकर आंध्रप्रदेश के तट पर उसके अगले 48 घंटे में पहुंचने की संभावना है। इसके प्रभाव से 18 और 19 नवंबर को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने

की संभावना है।

मौसम के इस बदलाव को देखते हुए कृषि विशेषज्ञों ने कोरबा में आने वाले दिनों में हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी है कि वे खेतों में लगी धान की फसल को 19 नवंबर के बाद ही काटना शुरू करें। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को 19 नवंबर तक धान कटाई स्थगित रखने की सलाह दी है। विशेषज्ञों ने यह भी सुझाव दिया है कि कट चुकी धान की फसल को तत्काल खेतों से उठाकर खलिहानों में बारिश से बचाने के उपाय करते हुए सुरक्षित रखें। कटी फसल को खलिहानों में तिरपाल आदि से ढंककर बारिश से बचाएं।

जिले में बदलते मौसम को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क है। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने सभी राजस्व अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के मैदानी अमले को भी हल्की बारिश से फसल क्षति के बारे में सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने बारिश के कारण खराब हुई फसलों की पूरी जानकारी एकत्र कर तत्काल प्रशासन को उपलब्ध कराने को भी कहा है। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को फसल क्षति की जानकारी मिलते ही मौका-मुआयना कर क्षति का आंकलन करने और किसानों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए क्षतिपूर्ति प्रकरण तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं।

युवक का रक्तरंजित शव मिला

कोरबा। दर्री पुलिस थाना क्षेत्र में एक युवक का रक्तरंजित शव मिलने पर पुलिस ने मौत को संदिग्ध मानते हुए मर्ग कायम किया है। सीएसपी और टीआई एफएसएल व स्निफर डॉग के साथ यहां पहुंचे। प्रकरण की जांच पड़ताल की जा रही है।

छ. ग. राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी दर्री के आवासीय परिसर में उस समय सनसनी फैल गई जब आवास क्रमांक एफ 976 के सामने एक युवक की रक्तरंजित लाश देखी गई। देखते ही देखते मौके पर कॉलोनी के लोग उमड़ पड़ेए कयासों के घोड़े दौड़ाए जाने लगे। सिर से बहता खून इंगित कर रहा थाए कि युवक की चोट लगने के कारण मौत हुई है। मृतक के सिर पर दिख रहे गंभीर चोट के निशान किसी के वार करने के कारण आए है। जांच.पड़ताल के दौरान मृतक की पहचान प्रगति नगर नदियाखार निवासी अरुण प्रधान के रूप में कर ली गई है। युवक किस काम से यहां पहुंचा था और उसकी मौत किस वजह से हुई इसकी जांच अलग.अलग बिंदुओं पर की जा रही है। विद्युत नगर कालोनी में युवक का शव मिला है। सिर पर चोट के निशान होने से कई प्रकार के निष्कर्ष लगाए जा रहे हैं। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। फारेंसिक टीम और स्निफर डॉग के जरिए महत्वपूर्ण बिंदुओं तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

अब कोरबा शहर के हर चौक चौराहों पर 24 घण्टे पुलिस की मौजूदगी दिखाई देगी

कोरबा। अब कोरबा शहर के हर चौक चौराहों पर पुलिस की मौजूदगी दिखाई देगी, वो भी 24 घण्टे। कोरबा एसपी भोजराम पटेल ने विजिबल पुलिसिंग हेतु प्रमुख चौराहों पर 24 घण्टे पुलिस की मौजूदगी के निर्देश जारी किए हैं। जनता की सहायता हेतु अस्थाई पुलिस सहायता केंद्र बनाए गए हैं। इसके साथ ही राजपत्रित पुलिस अधिकारियों को औचक निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं।

आपको बता दें कि विगत दिनों मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा एसपी आईजी कान्फ्रेंस मे आम जनता की समस्याओं के समाधान हेतु जन दर्शन लगानेएशहरो में पुलिस की धमक बढाने हेतु विजिबल पुलिसिंग की शुरूवात करने सहित अन्य मुद्दो पर निर्देश दिए गए थे।

इसी क्रम में राज्य मे सबसे पहले जन दर्शन कार्यक्रम की शुरूआत कोरबा पुलिस द्वारा की गई है। अब विजिबल पुलिसिंग के क्षेत्र मे अभिनव पहल करते हुए शहर के मुख्य चौक चैराहों पर अस्थाई पुलिस सहायता केन्द्र बनाये गए हैं । जिनमें 24'7 पुलिस कर्मचारी तैनात रहेंगे । इन सहायता केंद्रों का राजपत्रित पुलिस अधिकारीगण बीच बीच में सुपरविजन करेंगे साथ ही खाली समय में इन सहायता केंद्र मे उपस्थित रहेंगे। नागरिकों की सहायता हेतु केन्द्र मे वरिष्ठ अधिकारीयों का नामए पताए मो0 नंबर उपलब्ध रहेगा । आमजनता को पुलिस विभाग से सम्बंधित सभी सुविधा एवं सहयोग उपलब्ध कराया जायेगा।

इन स्थानों पर अस्थायी पुलिस सहायता केंद्र बनाया गया है- कोसाबाड़ी चौकएसुभाष चौकएबुधवारी बाजारएसोनालिया चौकएपुराना बसस्टैंडएओवर ब्रिज के नीचे एवम बस स्टैंड के पास बालको नगर।

मां के साथ पैदल जा रही मासूम को हाईवा ने रौंदा

रायपुर (आरएनएस)। मां के साथ पैदल आ रही लड़ की को तेज रफ्तार हाईवा ने ठोकर मार दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई । मामले की रिपोर्ट टिकरापारा थाने में दर्ज कराई गई है। मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम सरवा थाना कसड़ोल जिला बलौदा बाजार हाल सेक्टर 4 कमल विहार लालपुर निवासी श्रीमती कुंती यादव 28 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि सोमवार सुबह 6.30 बजे पीड़िता अपनी मासूम बेटी कुमारी सीमा के साथ रोड की ओर पैदल गई थी तभी तेज रफ्तार अज्ञात हाईवा ने ठोकर मार दिया। जिससे कुमारी सीमा की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात हाईवा चालक के खिलाफ धारा 304 ए के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

मनरेगा की डबरी बनी विष्णु की आय बढ़ाने का जरिया

» डबरी से खेत हुआ दो फसली, सब्जी लगाकर विष्णु ने कमाए 20 हजार रूपए

कोरबा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत् बनायी गई डबरी किसान विष्णु की आय बढ़ाने का जरिया बन गई है। डबरी बन जाने से विष्णु का खेत अब एक फसली से दुफसली हो गया है। उसने अपने खेत में धान की फसल के बाद तीन माह में सब्जी उत्पादन कर 20 हजार रूपये से अधिक का लाभ कमाया लिया है। जनपद पंचायत पाली के ग्राम पंचायत धौराभाटा में रहने वाले किसान विष्णु के पास एक एकड खेती जमीन है जिसमें सिंचाई व्यवस्था नहीं होने पर उसे खेती के लिये बारिश पर ही निर्भर रहना पडता था। वह चाहकर भी खेती से अपने परिवार के जीवन-यापन लायक आय नहीं कमा पा रहा था। एक दिन विष्णु को मनरेगा के तकनीकी सहायक ने बताया कि उसके खेत में मनरेगा योजना से काम कराकर डबरी बनायी जा सकती है। तकनीकी सहायक ने यह भी बताया कि इस डबरी को बनाने में गांव के लोगों को गांव में ही रोजगार भी मिलेगा।

तकनीकी सहायक की सलाह विष्णु के लिए आशा की नई किरण साबित हुई। उसने तत्काल ही खेत डबरी बनवाने का प्रस्ताव ग्राम सभा में दिया। प्रस्ताव के अनुमोदन एवं स्वीकृती के बाद खेत डबरी बनाना शुरू किया गया। डबरी निर्माण में विष्णु के परिवार सहित गांव के ही मेलु, पुरूशोत्तम, सुमत, शिवनंदन, गोपाल आदि 61 मजदूरों ने काम किया। लगभग एक महीने में विष्णु के खेत में डबरी बनकर तैयार हो गई । डबरी बन जाने से उसके खेत को सिंचाई का पानी मिलने लगा। उसके बाद विष्णु ने खेत में धान की फसल लगाई। इस खेत में सिंचाई से पहले पहले 25 क्विंटल धान उत्पादन होता था। परंतु अब डबरी से सिंचाई सुविधा मिलने के बाद इस बार विष्णु ने इसी खेत से 35 क्विंटल धान लिया है। धान की फसल के बाद विष्णु ने टमाटर, बैगन, भिण्डी, गोभी सब्जी उगाई। जिसे बेचकर उसने 20 हजार रूपये से अधिक का लाभ कमाया है। किसान विष्णु का कहना है कि मनरेगा योजना से बनाई गई डबरी ने उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला दिया है। पहले वह केवल धान की फसल ले पाता था लेकिन अब डबरी के बन जाने से, सिंचाई व्यवस्था हो जाने से दो सीजन में सब्जी का उत्पादन भी कर रहा है। उसने बाडी में मक्का, खीरा, ककडी, करेला, लौकी आदि लगाया था, जिसे बेचकर 20 से 25 हजार रूपये का मुनाफा हुआ है। इसके साथ ही डबरी निर्माण में ग्रामीणों को रोजगार भी मिला जिससे वह खुश है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480